

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-2
संख्या: 6425/VII-2/581-उद्योग/07
देहसादून: दिनांक: 09 जनवरी, 2008
अधिसूचना

औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-11/औद्योग/07-उद्योग/2004 तथा शासनादेश संख्या-940/औद्योग/07-उद्योग/2004-05 दिनांक 9/10 नवम्बर, 2004 द्वारा निजी औद्योगिक आस्थान के अधिसूचित किये जाने विषयक जारी नीति/दिशा निर्देशों के अधीन उद्योग निदेशालय की संस्तुति पत्रांक: 2936/उद्योग-नि0औद्योग/2007-08 दिनांक 26 नवम्बर, 2007 के संदर्भ में मे0 रजत इण्डस्ट्रियल पार्क को ग्राम-बिक्रमपुर, तहसील बाजपुर, जिला ऊधमसिंहनगर में कम अनुबन्धित कुल 68.44 एकड़ भूमि जिसके खसरा नंबर निम्न तालिका में अंकित हैं, को निम्नलिखित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय निजी औद्योगिक आस्थान के रूप में विनियमित/अधिसूचित करने की राहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नंबर	भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)
बिक्रमपुर	230/1मि., 230/1, 230/3/2, 234/2/1, 234/2/2,	68.44
तहसील	234/3, 234/3मि., 234/4/1मि., 234/4, 234/5,	
बाजपुर	234/6, 270/1, 270/2/1, 270/2, 271/1, 271/4,	

1. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 50/2003 सी0ई0 दिनांक 10, जून, 2003 के Annexure-II में जिला ऊधमसिंहनगर के अन्तर्गत Category-13 Proposed Industrial Estate/Area के रूप में ग्राम बिक्रमपुर, तहसील- बाजपुर के अन्तर्गत अधिसूचित भूमि पर स्थापित होने वाली नई औद्योगिक इकाईयों (नकरात्मक सूची के क्रियाकलापों को छोड़कर) को भारत सरकार, के द्वारा प्रेषित विशेष पैकेज का लाभ अनुमन्य होगा। ग्राम बिक्रमपुर स्थित खसरा संख्या-231/4, रकबा-0.083 हे0 (0.18 एकड़) भूमि में केवल भारत सरकार, सम्बन्धित एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग) के कार्यालय जाप संख्या-1(10)/2001-एन0ई0आर0 दिनांक 7 जनवरी, 2007 Annexure-II में दिये गये शर्त उद्योगों की स्थापना पर ही विशेष पैकेज का लाभ अनुमन्य होगा।

2. GIDCR-2005- के पृष्ठ संख्या-34 से 37 में औद्योगिक आस्थान के विकास के लिये दिये गये मानकी विधियों/उपविधियों व उपबन्धों का पालन करना होगा।

3- प्रस्तावित औद्योगिक आस्थान की भूमि, आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी द्वारा कम अनुबन्धित है। जब आस्थान के निम्नलिखित विकास हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नियमित भूमि कम बिलाल पत्र (Sale Deed) निष्पादित कराकर GIDCR-2005 के उपबन्धों के अनुरूप भूमि में उपयोग श औद्योगिक भू-उपयोग परिवर्तन सुनिश्चित कराया होगा तथा तत्पश्चात औद्योगिक आस्थान में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के भवन मानचित्र उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण से स्वीकृत कराना होगा।

4- औद्योगिक आस्थान के रख-रखाव अवस्थापना सुविधाओं के विकास तथा अन्य नागरिक सुविधाओं का दायित्व, आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी का होगा। आवटी इकाईयों की आवटन से पूर्व आस्थान में उपलब्ध करायी जाने वाली अवस्थापना सुविधाओं तथा अन्य के रकम में स्पष्ट रसी समन्वय उपलब्ध कराये जायेंगी।

5- आस्थान को विकसित करने के लिये विभिन्न विभागों जैसे वन एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग, उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन आदि से वांछित विभिन्न स्वीकृति/अनुमति/अनुमोदन/अनापत्ति आदि जो भी वांछित औपचारिकताएं अपेक्षित होंगी, वह प्रवर्तक/कम्पनी द्वारा स्वयं पूरा की जायेंगी।

6- निजी औद्योगिक आस्थान के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा निदेशक, उद्योग उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों यथा: प्रदेश की

औद्योगिक नीति के अन्तर्गत ऐसी औद्योगिक इकाईयों, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा हतोत्साहित किये जा रहे उद्योगों अथवा प्रतिबन्धित सूची के सम्मिलित उद्योगों की स्थापना नहीं की जायेगी।

7- प्रस्तावित स्थल पर सभी अवस्थापना सुविधाओं, यथा: बिजली, पानी, राडक, नालियों का निर्माण इत्यादि के विकास का कार्य स्वयं प्रवर्तक द्वारा किया जायेगा।

8- प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किये जाने वाले औद्योगिक इकाईयों में 70 प्रतिशत राजगार प्रदेश के स्थायी लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा तथा भूमि/भूखण्ड की सेलडीड/जीअ डीड में भी इस शर्त को उल्लिखित किया जायेगा।

9- प्रवर्तक कम्पनी द्वारा आस्थान में भूखण्डों की निर्धारित की गई दरों, विपणन तथा विक्रय आदि के सम्बन्ध में महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र/निदेशक, उद्योग उत्तराखण्ड को समय-समय पर सूचना नियमित रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।

10- उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबन्धों/शर्तों का उल्लंघन करने पर अथवा किसी कारणों से जिसो शासन उचित समझता हो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से यह अधिसूचना (नोटिफिकेशन) निरस्त किया जा सकता है।

11- निजी औद्योगिक आस्थान के विनियमन तथा निर्देशों के क्रियान्वयन हेतु समय-समय पर कार्यकारी निर्देश जारी करने के लिए निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड सदाय प्राधिकारी होंगे।

(पी०सी०एम०)

प्रमुख सचिव

पृष्ठंकन संख्या(125(1)/VII-2/581-उद्योग/2007 तददिनांकित।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
2. सचिव, गृह मन्त्रालय जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव मातृदय के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन को अपर मुख्य सचिव मातृदय के अवलोकनार्थ।
5. संलग्न सचिव, मातृदय एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति समन्वय विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली।
6. अध्यक्ष एवं प्रथम निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य उद्योग नियम, उद्योग भवन, देहरादून।
7. मुख्य जमिनदार, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
8. अध्यक्ष, समस्त उद्योग संघ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. डिप्टी कमिश्नरी, जलमार्गविभाग।
10. प्रथम निदेशक, शिक्षा, देहरादून।
11. मुख्य नगर एवं ग्राम निरीक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, देहरादून।
13. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, जलमार्गविभाग।
14. श्री किशोर कुमार आर्य, द्वारा स्वतः इन्टरनेशनल, स्वतः इन्स्टेल, 102-103/बी, भिग ए, गायत्री दर्शन, जामपुर फार्मलेस कम्पनी प्रा.ली (ई.ए.) मुम्बई 4000 101 (महाराष्ट्र)।
15. NIC, उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर।
16. माडे फाईल।

आज्ञा से,

(पी०सी०एम०)

प्रमुख सचिव

57/